भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-445
उत्तर देने की तारीख-05/02/2024

ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों का अधिगम प्रदर्शन

†445. श्री एंटो एन्टोनी:
एडवोकेट अदूर प्रकाश:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि शिक्षा की वार्षिक स्थिति संबंधी रिपोर्ट (एएसईआर) 2023 द्वारा प्रकाशित शिक्षा अधिगम परिणाम रिपोर्ट से यह पता चलता है कि देश के ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों का शैक्षिक प्रदर्शन बहुत खराब है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस खराब कार्य-निष्पादन के क्या कारण हैं;
(ग) क्या सरकार की विद्यालय जाने वाले बच्चों के शिक्षा अधिगम परिणामों में सुधार करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(घ) क्या सरकार ने प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के शिक्षा अधिगम परिणामों का निर्धारण करने के लिए कोई अध्ययन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
(ङ) विगत तीन वर्षों के दौरान प्राथमिक शिक्षा और मूलभूत शिक्षा पर राज्य-वार कितना बजटीय व्यय किया गया है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) और (ख): शिक्षा रिपोर्ट की वार्षिक स्थिति (एएसईआर) एक गैर-सरकारी संगठन द्वारा जारी की जाती है।

(ग): समग्र शिक्षा की केंद्र प्रायोजित योजना को राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 की सिफारिशों के अनुरूप बनाया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) के लक्ष्यों एवं उद्देश्यों के अनुसरण में, समग्र शिक्षा के अंतर्गत स्कूल शिक्षा में ग्रेड 3 के अंत तक बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय साक्षरता एवं संख्याज्ञान दक्षता पहल (निपुण भारत);

विद्या प्रवेश-तीन माह के खेल आधारित स्कूल तैयारी मॉड्यूल संबंधी दिशा-निर्देश; राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान द्वारा माध्यमिक स्तर पर विषय के रूप में भारतीय संकेतक भाषा; ईसीसीई हेतु मास्टर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण सहित स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर शिक्षकों को कवर करने के लिए स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों के समग्र विकास हेतु राष्ट्रीय पहल (निष्ठा) का विस्तार किया गया; दिनांक 06.09.2020 को विद्या समीक्षा केंद्र (वीएसके) की शुरुआत जैसी विभिन्न पहलें की गई हैं। अब तक 12 राज्यों नामतः-आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, नगालैंड, पंजाब, ओडिशा, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश ने विद्या समीक्षा केंद्र स्थापित किए हैं; समग्र शिक्षा की केंद्र प्रायोजित योजना के आईसीटी और डिजिटल पहल घटक में छठी से बारहवीं कक्षा वाले सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूल शामिल हैं। इस घटक के तहत स्कूलों में आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लासरूम स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है; नेशनल डिजिटल एजुकेशनल आर्किटेक्चर (एनडीईएआर) में 1500+ सूक्ष्म कोर्स, 5 बिलियन से अधिक अधिगम सत्र, 12 बिलियन से अधिक क्यूआर कोड, 20 हजार से अधिक इकोसिस्टम प्रतिभागी, 15 हजार से अधिक सूक्ष्म सुधार विभिन्न संबद्ध भवन ब्लॉकों में चल रहे हैं।

(घ): भारत सरकार तीन साल की चक्रीय अवधि के साथ कक्षा III, V, VIII और X के लिए नमूना आधारित राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) का एक रोलिंग कार्यक्रम लागू कर रही है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) आवधिक रूप से एनएएस आयोजित कर रही है। एनएएस का उद्देश्य शिक्षा प्रणाली की स्थिति के संकेतक के रूप में बच्चों की प्रगति और अधिगम दक्षता का मूल्यांकन करना है ताकि विभिन्न स्तरों पर सुधारात्मक कार्रवाई के लिए उचित कदम उठाए जा सकें। एनएएस का अंतिम चरण दिनांक 12.11.2021 को आयोजित किया गया था और इसमें कक्षा 3 और 5 के लिए भाषा, गणित और पर्यावरण विज्ञान; कक्षा 8 के लिए भाषा, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान और कक्षा 10 के लिए भाषा, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और अंग्रेजी में छात्रों का मूल्यांकन किया गया था। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के 720 जिलों के 1.18 लाख स्कूलों (क) सरकारी स्कूल (केंद्र सरकार और राज्य सरकार) (ख) सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल; और (ग) निजी गैर सहायता प्राप्त स्कूलों के लगभग 34 लाख छात्रों का मूल्यांकन किया गया था।

इसके अतिरिक्त, सरकारी स्कूलों (केंद्र सरकार और राज्य सरकार), सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों और निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों सहित सभी प्रकार के स्कूलों के छात्रों का निष्पादन दर्शाने वाला एनएएस 21 का राष्ट्रीय, राज्य और जिला रिपोर्ट कार्ड दिनांक 25.05.2022 को सार्वजनिक डोमेन में http://nas.gov.in पर जारी किया गया है।

हाल ही में, शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत एनसीईआरटी में एक मानक-निर्धारण निकाय, राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र - समग्र विकास के लिए ज्ञान का प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और विश्लेषण (परख) ने 03.11.2023 को राज्य शैक्षिक उपलब्धि सर्वेक्षण (एसईएएस)-23 का आयोजन किया है। इस सर्वेक्षण का प्राथमिक उद्देश्य प्रत्येक शैक्षिक चरण अर्थात् मूलभूत, प्रारंभिक और मिडिल

के अंत में बुनियादी साक्षरता, बुनियादी संख्याज्ञान, भाषा और गणित में छात्रों की अधिगम दक्षताओं का मूल्यांकन करना है। एसईएएस-23 की उल्लेखनीय विशेषताओं में से एक जिले से रणनीतिक शिफ्ट के परिणामस्वरूप ब्लॉक स्तर पर अधिगम अंतराल को समझने के लिए छात्रों के सैंपल साइज का विस्तार करना है।

मूलभूत अधिगम के लिए एक आकलन एवं बेंचमार्किंग अध्ययन मूलभूत अधिगम अध्ययन (एफएलएस) एनसीईआरटी द्वारा मार्च, 2022 में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया गया था। एफएलएस 20 विभिन्न भाषाओं में आयोजित किया गया था। 10,000 स्कूलों के ग्रेड 3 के लगभग 86,000 छात्रों को कवर किया गया था। एक महत्वपूर्ण साक्षरता कौशल के रूप में, एफएलएस 2022 द्वारा कक्षा 3 के छात्रों के 'समझ के साथ पठन और संख्याज्ञान' कौशल का आकलन किया गया। भाषाओं में भाषाविज्ञान संबंधी अंतर के संबंध में, बेंचमार्क की गणना उन 20 भाषाओं में से प्रत्येक के लिए विशिष्ट रूप से की गई है, जिनका उद्देश्य उनमें से प्रत्येक में समझ के साथ पठन में छात्रों के प्रदर्शन की व्याख्या करना है। प्रतिवेदन https://dsel.education.gov.in/fls_2022 पर उपलब्ध हैं।

(ङ): समग्र शिक्षा योजना में प्री-स्कूल, प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक स्तर तक एक निरंतरता के रूप में 'स्कूल' की परिकल्पना की गई है। समग्र शिक्षा के तहत, केंद्र सरकार राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को एकमुश्त निधियां जारी करती है और समग्र शिक्षा के तहत क्रियाकलाप-वार धनराशि जारी नहीं की जाती है। वर्ष 2020-21, 2021-22 और 2022-23 के लिए सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को समग्र शिक्षा के तहत जारी किए गए केंद्रीय हिस्से का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

****

अनुलग्नक-I

माननीय संसद सदस्य श्री एंटो एन्टोनी, एडवोकेट अदूर प्रकाश द्वारा 'ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों का अधिगम प्रदर्शन' के संबंध में दिनांक 05.02.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 445 के भाग (ङ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

वर्ष **2020-21** से **2022-23** तक समग्र शिक्षा में राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार जारी राशि

(रुपये लाख में)

क्रमांक	राज्य का नाम	2020-21	2021-22	2022-23
1	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	4037.43	3152.32	5651.44
2	आंध्र प्रदेश	86975.09	68301.36	150359.02
3	अरुणाचल प्रदेश	33964.52	27996.24	25229.47
4	असम	159429.09	156156.40	208086.22
5	बिहार	282822.81	340608.45	355459.46
6	चंडीगढ़	7115.42	10804.09	10979.21
7	छत्तीसगढ	35068.41	33236.78	82800
8	दादरा एवं नागर हवेली दमन और दीव	3493.77	2092.45	6466.66
9	दिल्ली	14926.44	14588.04	22193.92
10	गोवा	1788.38	1102.19	2985.77
11	गुजरात	97632.80	89375.71	132125.03
12	हरियाणा	74570.72	51709.18	67021.33
13	हिमाचल प्रदेश	49230.46	31910.05	55160.13
14	जम्मू एवं कश्मीर	38557.43	87398.83	36497.18
15	झारखंड	86561.21	85897.13	115451.63
16	कर्नाटक	61010.01	47451.63	86152.48
17	केरल	23838.59	22512.79	17815.99
18	लद्दाख	5806.39	5717.55	1489.36
19	लक्षद्वीप	254.63	216.15	432.99
20	मध्य प्रदेश	246219.48	229279.75	193928.88
21	महाराष्ट्र	63559.58	69302.88	90000
22	मणिपुर	32364.84	18250.19	40475.7
23	मेघालय	28355.68	27171.38	37515.29
24	मिजोरम	18855.02	17968.14	14268.09
25	नगालैंड	21347.11	13734.16	28104.49
26	ओडिशा	130145.67	123807.39	183666.84
27	पुदुचेरी	972.44	1397.54	1527.52
28	पंजाब	53143.13	50127.01	60504.93
29	राजस्थान	225943.67	240582.13	213861.12
30	सिक्किम	6451.72	10012.46	10718.96

31	तमिलनाडु	162153.74	159882.18	210723.33
32	तेलंगाना	34807.36	55327.91	114251.02
33	त्रिपुरा	40371.19	22692.81	28672.54
34	उत्तर प्रदेश	457185.61	204497.10	381975.27
35	उत्तराखंड	54149.33	32083.60	70438.94
36	पश्चिम बंगाल	132743.02	130974.48	152204.21
	कुल	**2775852.19**	**2487318.45**	**3215194.42**